पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जापानी कम्पनियों के निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन्वेस्ट यू0पी0 व अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की

पहली बार 240 लोगों के प्रतिनिधिमण्डल का प्रदेश में आगमन हुआ, इस यात्रा से जापान व उ0प्र0 के बीच सकारात्मक माहौल का सृजन हुआ : मुख्यमंत्री

जापान में सितम्बर, अक्टूबर व दिसम्बर में होने वाले विभिन्न वैश्विक आयोजन में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमण्डल को भेजा जाए

जापानी भाषा के प्रशिक्षण तथा स्किल डेवलपमेण्ट के कार्यक्रमों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए

इन्वेस्ट यू0पी0 में अलग से यामानाशी जापान डेस्क बनायी जाए, ताकि इसके जरिए निरन्तर संवाद होता रहे

जापानी पर्यटकों को उ0प्र0 के बौद्ध स्थलों पर जाने के लिए अच्छी सुविधाएँ दी जाएं, एक ऐसा रूट विकसित किया जाए, जिससे वह एक साथ अधिक से अधिक बौद्ध स्थलों का दर्शन कर सकें

द्विपक्षीय पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए उ0प्र0 एवं यामानाशी प्रान्त के टूर ऑपरेटरों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं

आगामी ट्रेड शो में जापानी विशेषज्ञों के साथ विशेष सत्र आयोजित किए जाएं, जिससे युवाओं को उनके अनुभवों का लाभ प्राप्त हो सके

मुख्यमंत्री ने यीडा के अन्तर्गत जापानी सिटी के लिए भूमि अधिग्रहण के कार्य को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए

लखनऊ : 24 अगस्त, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जापानी कम्पनियों के निवेश और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज यहाँ अपने सरकारी आवास पर इन्वेस्ट यू0पी0 व अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि पहली बार 240 लोगों के प्रतिनिधिमण्डल का प्रदेश में आगमन हुआ। इस यात्रा से जापान व उत्तर प्रदेश के बीच सकारात्मक माहौल का सृजन हुआ। जापान से आए अतिथियों ने उत्तर प्रदेश में आए सकारात्मक बदलावों की सराहना की। ऐसे में जापान व उत्तर प्रदेश के बीच निरन्तर संवाद कर निवेश के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को जापान के प्रतिनिधिमण्डल की ओर से किए गए सभी एम0ओ0यू0 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में अवगत कराया गया कि इस

दौरे का मुख्य फोकस निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन एनर्जी, तकनीक, कौशल विकास, शिक्षा और पर्यटन में सहयोग बढ़ाने पर रहा।

मुख्यमंत्री जी ने यीडा के अन्तर्गत जापानी सिटी के लिए भूमि अधिग्रहण के सम्बन्ध में जानकारी ली। अधिकारियों ने अवगत कराया कि 500 एकड़ में से 350 एकड़ से अधिक भूमि का अधिग्रहण पूरा किया जा चुका है। मुख्यमंत्री जी ने इस कार्य को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापान में सितम्बर, अक्टूबर व दिसम्बर में होने वाले विभिन्न वैश्विक आयोजन में उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमण्डल को भी भेजा जाए। इसमें मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, उद्योगपतियों के साथ ही सम्बन्धित क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी सम्मिलित किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापानी भाषा के प्रशिक्षण तथा स्किल डेवलपमेण्ट के कार्यक्रमों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। यामानाशी प्रान्त सहित जापान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार की सम्भावनाओं को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने कहा कि इन्वेस्ट यू0पी0 में अलग से यामानाशी जापान डेस्क बनायी जाए, ताकि इसके जरिए निरन्तर संवाद होता रहे। उन्होंने हर तीसरे महीने इसकी प्रोग्रेस रिपोर्ट भी लेने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापानी पर्यटकों को उत्तर प्रदेश के बौद्ध स्थलों पर जाने के लिए अच्छी सुविधाएँ दी जाएं। एक ऐसा रूट विकसित किया जाए, जिससे वे एक साथ सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कपिलवस्तु समेत अधिक से अधिक बौद्ध स्थलों का दर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश एवं यामानाशी प्रान्त के टूर ऑपरेटरों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। बौद्ध सर्किट में पर्यटन गतिविधियों को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि आगामी ट्रेड शो में जापानी विशेषज्ञों के साथ विशेष सत्र आयोजित किए जाएं, जिससे युवाओं को उनके अनुभवों का लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि यूनेस्को ने सारनाथ की भाँति जापान के नारा को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है। दोनों को परस्पर सांस्कृतिक रूप से जोड़ने के लिए कदम उठाए जाएं।

————————